Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—7106

PAPER—III

FOLK LITERATURE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

FOLK LITERATURE

लोक साहित्य

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the passage below and answer the questions that follow based on your understanding of the passage.

Attention was given to the collection of folklore early in the nineteenth century by a handful of brilliant British scholars, including such pioneers of Indology as William Jones, Charles wilkins, William carey and, later, George Grierson. Bengali intellectuals joined in the effort early on, but by then they were already an urbanized English speaking elite, almost as far removed from the village folk as the British were. It was not until late in the nineteenth century that nationalism and a nostalgic yearning for their 'lost' culture drew large numbers of local scholars to the field. The folk culture of Bengal is as alive and well today as it was then, and probably not due to the heroic efforts of the Bengali folklorists. Only if we wrongly conceive of folklore as samething incapable of change and adaptability can we imagine that it would disappear.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों का उज़र अपनी समझ के अनुसार दीजिए।

उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में कुछ गिने-चुने अंग्रेज विद्वानों; विलियम जोन्स, चार्ल्स विल्किंस, विलियम कैरे तथा इनके परवर्ती जार्ज ग्रियर्सन जैसे प्राच्यविद्या के सूत्रधारों ने भी लोकविज्ञान के संकलन पर ध्यान दिया। बंगाली बुद्धिजीवी भी शीघ्र ही इस ओर अग्रसर हुए, तब तक वे भी अंग्रेजी भाषा-भाषी नगरीय शिष्टवर्ग की श्रेणी में आ चुके थे और अंग्रेजों की भाँति ग्रामीणों से उनका भी कोई संबंध नहीं रह गया था। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में राष्ट्रवाद तथा अपनी खोई हुई संस्कृति को खोजने की ललक के कारण बहुत से स्थानीय विद्वान इस ओर आकृष्ट हुए। बंगाल की लोकसंस्कृति आज भी पूर्ववत् जीवित एवं सुरक्षित है परन्तु इसका श्रेय मात्र बंगाली लोकविज्ञानिकों के साहसिक कार्यों को ही नहीं दिया जा सकता है। यदि हमें लोक विज्ञान की परिवर्तनशीलता व अनुकूलनशीलता की सक्षमता के विषय में सन्देह हो तभी हम इस के लुप्त होने की कल्पना कर सकते हैं।

1. What are the main contributions of Thoms ?
थॉज़्स के प्रमुख योगदानों का उल्लेख करें।

2. How did the efforts start in India ?
भारत में ये प्रयास कैसे प्रारम्भ हुए ?

3. What was the inspiration for Indian folklorists ?
भारतीय लोकवैज्ञानिकों का प्रेरणास्रोत ज़्या था ?

4. Who were the main contributors in early days ?
प्रारज़िभक समय में प्रमुख योगदान किनका था ?

5. What was the contribution of Bengali intellectuals ?
बंगाली बुद्धिजीवियों का योगदान ज़्या था ?

SECTION - II / खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. What are the five qualities generally associated with true folklore ?
विशुद्ध लोकविज्ञान से सामान्यतया संबद्ध पाँच विशेषताएँ कौन सी हैं ?

7. "Folklore is an artistic communication in a small groups"- Elucidate ?
लोकविज्ञान लघु-समूह में कलात्मक सञ्प्रेषण है - स्पष्ट करें।

8. How do functionalists view folklore ?
लोकविज्ञान को क्रियात्मकतावादी किस रूप में देखते हैं?

9. What are the aspects of folklore taken into account for performance study ?
प्रदर्शनपरक अध्ययन में लोकविज्ञान के किन पहलुओं पर विचार किया जाता है ?

10. What are the merits and demerits of participatory observation ?
सहभागी अनुवीक्षण के गुण-दोष ज़्या हैं ?

11. How could you select your informants for data collection ?

आँकड़ा - संकलन के लिए सूचनाप्रदायकों का चयन आप किस प्रकार करेंगे ?

12. Write a note on the contribution made by any one of the pioneers in the field of folkloristics of your state.

लोकविज्ञानशास्त्र के क्षेत्र में अपने राज्य के किसी एक अग्रणी विद्वान के योगदान पर टिप्पणी लिखें।

13. What are the recent trends found in folklore studies in your regional language ?
लोकविज्ञान के क्षेत्र में आपकी क्षेत्रीय भाषा में पायी जाने वाली वर्तमान प्रवृज़ियाँ ज़्या हैं ?

14. What are the functions specifically served by myths according to Malinowski ?
मैलिनोवस्की के अनुसार मिथकों द्वारा कौन से विशिष्ट कार्य सज़्पन्न होते हैं ?

15. Differentiate legend from myth.

दन्त-कथा तथा पुराण-कथा मिथक में ज़्या अंतर है ?

16. What are the linguistic elements included in folk speech ?

लोकवाणी में कौन से भाषावैज्ञानिक तज़्व निहित हैं ?

17. What is meant by Folklorism ?
लोकविज्ञानवाद का ज़्या अर्थ है ?

18. How could you do your preparations for field work ?
क्षेत्र-कार्य के लिए आप किस प्रकार की तैयारी करेंगे ?

19. How does Folklore function in a culture ? Explain.
लोकविज्ञान एक संस्कृति में किस प्रकार कार्य करता है? व्याज़्या करें।

20. Folklore is the precursor of literature - Explain briefly.
लोकविज्ञान साहित्य का अग्रदूत है – संक्षिप्त व्याज़्या करें।

SECTION - III
खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about 200 words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है । **(12x5=60 अंक)**

21. Evaluate the contributions made by Alan Dundes to the field of folkloristics ?
लोकविज्ञान के क्षेत्र में ऐलन डण्डिस के योगदान का मूल्यांकन करें।

22. Define epic and write about its characteristics by stating an example of your region ?
अपने क्षेत्र से उदाहरण देते हुए महाकाव्य की परिभाषा दें तथा इसके लक्षणों की चर्चा करें।

23. What is the relevance of folk museums in the present Indian context ?
वर्तमान भारतीय परिप्रेक्ष्य में लोकसंग्रहालयों का ज़्या औचित्य है ?

24. How folklore have been applied in the modern theatre productions ?
आधुनिक रंगमंचीय प्रस्तुतियों लोकविज्ञान का किस रूप में प्रयोग किय गया है ?

25. What is the contribution made by Devendra Satyarthi to Indian Folkloristics.
भारतीय लोकविज्ञान के अध्ययन में देवेन्द्र सत्यार्थी के योगदान पर प्रकाश डाले।

SECTION - IV
खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. "Folklore is the mirror of culture" - Discuss.
''लोकविज्ञान संस्कृति का दर्पण है'' – चर्चा करें।

OR / अथवा

Discuss the immediate need of preserving the indigenous knowledge system in the context of Globalization.
वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में देशीय ज्ञान प्रणाली के परिरक्षण की तात्कालिक आवश्यकता का उल्लेख करें।

OR / अथवा

Discuss the role of folklore in the construction of oral history of the marginals.
उपेक्षित–वर्ग के मौखिक इतिहास के निर्माण में लोकविज्ञान की भूमिका की चर्चा करें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....